bob World | बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda | विजया VIJAYA | देना DENA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

ल.अं./48/एस.एल.बी.सी./ 364

28.07.2022

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ0 प्र0) के समस्त सदस्यों को पत्र

महोदय/ महोदया,

विषय :- राज्य स्तरीय बैकर्स समिति (उ.प्र.) की मार्च 2022 त्रैमासांत की समीक्षा बैठक दिनांक 01.07.2022 का कार्यवृत्त

कृपया दिनांक 01.07.2022 को सम्पन्न राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ0प्र0) की मार्च 2022 त्रैमासांत की समीक्षा बैठक का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

उपरोक्त बैठक का कार्यवृत्त आपकी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु संलग्न कर प्रेषित है।

भवदीय,

(ब्रजेश कुमार सिंह)
महाप्रबन्धक एवं संयोजक
राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ.प्र.)

संलग्न :- उपरोक्तानुसार

अंचल कार्यालय, लखनऊ अंचल, "बड़ौदा हाउस", वी–23, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010
Zonal Office, Lucknow Zone, "Baroda House", V-23, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow-226010
फोन / Phone : +91 522-6677630, 6677631, ई–मेल / E-mail : zm.upu@bankofbaroda.com

राज्य स्तरीय बैकर्स समिति (उ.प्र.) की मार्च 2022 तिमाही की दिनांक 01.07.2022 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त

राज्य स्तरीय बैकर्स समिति (उ.प्र.) की मार्च 2022 त्रैमास की समीक्षा बैठक दिनांक 01.07.2022 को प्रदेश के **माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी** की गरिमामयी उपस्थिती में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता **श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, कार्यकारी निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा, मुम्बई** द्वारा की गयी। इस बैठक मे श्री सुचीन्द्र मिश्रा, अपर सचिव, वित्तीय सेवायें विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से प्रतिभाग किया। इसके अतिरिक्त बैठक में डॉ0 बालू केनचप्पा, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, लखनऊ; श्री संजय कुमार, आई.ए.एस., सचिव, वित्त, उ०प्र० शासन; श्री अनुराग यादव, आई.ए.एस., सचिव, कृषि, उ0प्र0 शासन; श्री शिव सिंह यादव, महानिदेशक, संस्थागत वित्त एवं सर्वहित बीमा निदेशालय, उ0 प्र0; श्री भानु गोस्वामी, आई.ए.एस., मिशन निदेशक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, उ०प्र०; श्री संजय कुमार दोरा, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, लखनऊ; श्री शशि भूषण, दुग्ध आयुक्त, डेयरी विभाग, उ०प्र० शासन सहित राज्य सरकार के विभिन्न विभागो के अधिकारी तथा बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारीगणों द्वारा सहभागिता की गयी। बैठक में भाग लेने वाले सहभागियों की सूची संलग्न है।

बैठक के प्रारम्भ मे **श्री ब्रजेश कुमार सिंह, महाप्रबन्धक, बैंक ऑफ बड़ौदा एवं संयोजक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, उ0प्र0** ने सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत किया। अपने स्वागत सम्बोधन में उन्होंने बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे सहयोग व कार्यों की सराहना की। उन्होंने प्रदेश में की जा रही बैंकिंग गतिविधियों के साथ-साथ भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों की अद्यतन प्रगति से सभा को अवगत कराया।

गत बैठक दिनांक 08.03.2022 के कार्यवृत्त की पुष्टि के उपरांत उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण मानकों पर प्रदेश की स्थिति का संक्षिप्त विवरण निम्नवत प्रस्तुत किया:-

- मार्च 2022 तक प्रदेश में बैंकों का कुल व्यवसाय रू 21 लाख 28 हज़ार करोड़ रहा है जिसमें से जमा राशि रू. 13.97 लाख करोड़ व अग्रिम रू 7.32 लाख करोड़ है जो दिसंबर 2021 की तुलना में क्रमशः 4.41 % व 4.23% अधिक है।

- चालू वित्तीय वर्ष हेतु वार्षिक ऋण योजनांतर्गत आवंटित लक्ष्य रू 279794 करोड़ के सापेक्ष रू 212934 करोड़ का ऋण वितरण करते हुए 76% की उपलब्धि हासिल की गयी है जो मार्च 2021 के स्तर से रू. 16002 करोड़ अधिक है| हमारे प्रदेश में MSME Sector के अन्तर्गत कुल आवंटित लक्ष्य रू. 72251 करोड़ के सापेक्ष रू 83061 करोड़ का ऋण वितरण करते हुए 115% की उपलब्धि हासिल की गयी है। साथ ही कृषि क्षेत्र के अंतर्गत कुल आवंटित लक्ष्य रू. 180541 करोड़ के सापेक्ष रू 119012 करोड़ का ऋण वितरण किया गया है जो 66% की उपलब्धि दर्शाता है।

- हर्ष का विषय है कि PMSVANidhi योजनान्तर्गत प्रदेश को आवंटित लक्ष्य 8.30 लाख आवेदन पत्रों के सापेक्ष 8.84 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण प्रदान किया जा चुका है जो 106% की उपलब्धि दर्शाता है| हमारा प्रदेश ऋण स्वीकृति व वितरण के मामले में PAN INDIA प्रथम स्थान पर है।

बैंक ऑफ बड़ौदा BANK OF BARODA राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति उ० प्र० Zonal Office (Lucknow Zone), Lucknow

- वित्तीय वर्ष 2021- 22 के दौरान सरकार प्रायोजित विभिन्न रोज़गारपरक योजनाओं यथा प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोज़गार योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोज़गार योजना आदि में शत प्रतिशत लक्ष्यों को हासिल किया गया है जिसके लिए उन्होंने समस्त हितधारकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही उन्होंने वर्तमान वित्तीय वर्ष हेतु विभिन्न योजनांतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु भी समस्त बैंकों व अन्य हितधारकों का आहवाहन किया।

- वर्तमान में प्रदेश में 1,64,689 बैंकिंग केन्द्रों का विशाल नेटवर्क आम जन तक बैंकिंग सुविधाएं प्रदान कर रहा है जिसमें 19,157 बैंक शाखाएं, 19,207 ए.टी.एम., 25,002 बी सी सखी एवं 1,01,323 बैंक मित्र शामिल हैं। प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गयी अनूठी योजना "One GP One BC" के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 58000 बी.सी. सखियों की नियुक्ति से प्रदेश में बैंकिंग केन्द्रों की संख्या बढ़ जाएगी। अभी तक 29086 बी.सी. सखी ONBOARD हो चुकी है.

- प्रदेश सरकार द्वारा RC Filed cases में Recovery हेतु निरंतर सहयोग प्रदान करने हेतु उन्होंने धन्यवाद व्यक्त किया तथा एक बार पुन: प्रदेश सरकार से सरफेसी के अंतर्गत लम्बित मामलों में वसूली हेतु आवश्यक निर्देश निर्गत करने हेतु अनुरोध दोहराया|

- उन्होंने सभा को बताया कि भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांक 12.03.2021 से 15 अगस्त 2023 तक **"आजादी का अमृत महोत्सव" (Azadi Ka Amrit Mahotsav)** अभियान शुरू किया गया है। इसी क्रम में वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 06 जून से 12 जून, 2022 तक "आजादी का अमृत महोत्सव" अभियान के तहत "Iconic Week" मनाने के निर्देश प्राप्त हुए थे| इस महोत्सव के दौरान मुख्य रूप से दिनांक 31.05.2022, 06.06.2022, 08.06.2022 एवं 10.06.2022 को कार्यक्रमों का आयोजन किया गया| दिनांक 31.05.2022 को देश के समस्त जनपदो के विभिन्न योजनाओ के कुछ लाभार्थियों से माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा शिमला (हिमांचल प्रदेश) से वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से संवाद किया गया| दिनांक 06.06.2022 को देश के 25 जनपदो मे कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमे से 2 जनपद यथा अलीगढ़ एवं गोरखपुर हमारे प्रदेश से चयनित किए गए| इस कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा विज्ञान भवन नई दिल्ली मे दिये गए सम्बोधन का सजीव प्रसारण LED Screen के माध्यम से समस्त जनपदो मे दिखाया गया तथा आमजनमानस को आसानी से ऋण मुहैया कराने के उद्देश्य से - "जनसमर्थ पोर्टल" की शुरूआत की गई| दिनांक 08.06.2022 को प्रदेश के समस्त जनपदों में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न गतिविधियां यथा ऋण शिविर, जनसुरक्षा नामांकन, वित्तीय साक्षरता, जनप्रतिनिधियों की सहभागिता, बैंकिंग क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले बैंक शाखाओं/ बैंक मित्र व बैंक कर्मचारियों का सम्मान कार्यक्रम आदि सम्पन्न किया गया|

- दिनांक 30.06.2022 को माननीय मुख्यमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति मे स्वरोजगार मेला का आयोजन किया गया| कार्यक्रम के दौरान 1.90 ईकाईयो को रू. 16000 करोड़ का ऋण वितरण किया गया एवं वार्षिक ऋण योजना 2022-23 का विमोचन किया गया| अपने संबोधन के दौरान माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने प्रदेश के ऋण जमानुपात मे गत 5 वर्षो मे 5.32% की वृद्धि की सराहना कराते हुए इसे वर्तमान वित्तीय वर्ष मे 55% तक पहुंचाने का आहवाहन किया|

अंत में उन्होंने पुनः समस्त सहभागियों का धन्यवाद व्यक्त किया।

अपने अध्यक्षीय सम्बोधन मे श्री विक्रमादित्य सिंह खींची, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने सर्वप्रथम प्रदेश के वित्तमंत्री माननीय श्री सुरेश कुमार खन्ना जी का बैठक मे पधार कर अपना मार्गदर्शन देने हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया एवं वर्चुअल माध्यम से बैठक मे जुड़े भारत सरकार के प्रतिनिधि श्री सुचीन्द्र मिश्रा, आई.ए.एस., अवर सचिव, वित्त मंत्रालय का भी धन्यवाद व्यक्त किया| उन्होंने सभा में उपस्थित समस्त सम्मानित सदस्यों का अभिवादन करते हुये देश, प्रदेश व राज्य की आर्थिक गतिविधियों तथा विभिन्न मानकों में प्रदेश मे हुई प्रगति से सभा को निम्नवत अवगत कराया:-

- उत्तर प्रदेश विकास के नित्य नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है व 21.74 लाख करोड़ रुपये के Gross State Domestic Product के साथ भारत का तीसरा सबसे बड़ा राज्य बन गया है| साथ ही बैकिंग क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करते हुए प्रदेश का कुल व्यवसाय मार्च 2022 को समाप्त तिमाही में रूपये 21 लाख करोड़ के स्तर को पार कर गया है |

- उत्तर प्रदेश में प्रगति के लिए असीम संभावनाएं व्याप्त हैं। प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में Potential के दृष्टिगत पर्यटन के विकास से जुड़ी लगभग ₹.650 करोड़ की 488 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास प्रदेश सरकार द्वारा किया गया है|

- प्रदेश सरकार के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप विगत वर्षों में औद्योगिक व बुनियादी संरचना के विकास में व्यापक परिवर्तन आया है| प्रदेश सरकार द्वारा 03.06.2022 को 3rd Ground Breaking Ceremony का आयोजन किया गया जिसमें रू. 80 हजार करोड़ की नई औद्योगिक परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया|

- देश के सीमावर्ती और पहाड़ी क्षेत्रों से संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा उड़ान योजना के तहत देश के 78 नए हवाई मार्गों को मंजूरी दी गयी है जिसमें उत्तर प्रदेश के 18 नए हवाई मार्ग शामिल हैं। निश्चय ही इस कदम से प्रदेश के विकास को और गति मिलेगी व पर्यटन क्षेत्र में अपार सम्भावनाओं का विस्तार होगा|

- प्रदेश के सबसे बड़े expressway, Ganga Expressway को रू. 36 हजार करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है जो प्रदेश के 12 जिलों को जोड़ेगा जिससे प्रदेश में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे व अर्थव्यवस्था को Boost मिलेगा।

- प्रदेश के CD Ratio में मार्च 2022 को समाप्त तिमाही में विगत वर्ष की तुलना में 0.67% की वृद्धि हुई है जो एक सकारात्मक संकेत है।

- बैंकों और आम जनता के बीच संपर्क बनाने और वित्तीय साक्षरता के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा -निर्देश में 14 -18 फ़रवरी 2022 को प्रदेश में वित्तीय साक्षरता सप्ताह का सफल आयोजन किया गया।

- प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना "One GP One BC योजना" के अंतर्गत अब तक 25,000 से अधिक BC Sakhi को Onboard किया जा चुका है जिनके माध्यम से विभिन्न ग्राम पंचायतों में घर-घर तक बैंकिंग सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। साथ ही हर्ष का विषय है कि गत -5- वर्षो में बैंको के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में कुल 1 लाख से अधिक CBS enabled banking outlets की स्थापना की गयी है तथा RBI के मानक के अनुसार शत प्रतिशत केन्द्रों पर बैंकिंग सुविधाएँ उपलब्ध है।

- PMJDY में देश में सर्वाधिक 7 करोड़ 93 लाख खाते उत्तर प्रदेश में खोले गये हैं जिन में जमा धनराशि रू 33,000 करोड़ से भी अधिक है, व योजनान्तर्गत प्रदेश पूरे भारतवर्ष में प्रथम स्थान पर है । प्रदेश में गत 5 वर्षो में 347 लाख जनधन खाते खोले गये हैं तथा 5 करोड़ 36 लाख खातों में RuPay कार्ड जारी किये जा चुके हैं |

बैंक ऑफ बड़ौदा BANK OF BARODA राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति उ० प्र० Zonal Office (Lucknow Zone) Lucknow क्षेत्रीय कार्यालय (लखनऊ अंचल) लखनऊ

- प्रदेश को PMSBY में Pan India में प्रथम स्थान पर एवं PMJJBY में Pan India में द्वितीय स्थान पर होने का गौरव प्राप्त है। PMSBY के अंतर्गत लगभग 6,950 दावों और PMJJBY के अंतर्गत 48,000 से अधिक दावों में भुगतान किया जा चुका है| परिचालन लागत तथा adverse claim ratio के कारण हाल ही में PMSBY एवं PMJJBY के अंतर्गत प्रीमियम की धनराशि क्रमश: रू 20/- एवं रू 436/- कर दी गयी है |

- Jan Suraksha Saturation drive की समय सीमा 30.09.2024 तक बढ़ा दी गयी है एवं 40% लक्ष्य 30.09.2022 तक प्राप्त करना निर्धारित किया गया है जिसके लिए सभी बैंकों इस दिशा में पूर्ण प्रयास करने हेतु अनुरोध है।

- दिनांक 06.06.2022 को Azadi Ka Amrit Mahotsav के कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आम जनमानस की सुविधा के उद्देश्य से "Jan Samarth Portal" की शुरूआत की गई जिसके माध्यम से 13 योजनाओ के अंतर्गत -4- श्रेणियों यथा Education Loan, Agri Infrastructure Loan, Business Activity Loan एवं Livelihood Loan प्राप्त करने के लिए आवेदन किया जा सकता है|

- ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंको द्वारा Mobile Banking, UPI , BHIM, Internet Banking, Debit Card इत्यादि जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध करायी जा रही है। बैंकों द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 तक Digital माध्यम से लेन-देन के कुल 427 Crore Transactions किये गये हैं| प्रदेश में Digital लेनदेन में निरंतर प्रगति दर्ज हुई है जो सराहनीय है।

- Pradhan Mantri Mudra Yojana के अंतर्गत मार्च 2022 तिमाही तक लगभग 58 लाख उद्यमियों को लगभग रु. 33,000 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की जा चुकी है| प्रदेश ने पिछले 4 सालों से निरंतर योजना के अंतर्गत निर्धारित Target को Surpass किया है |

- NABARD द्वारा Agriculture and Allied Sector के अंतर्गत credit flow को बढ़ाने हेतु -2- Credit Guarantee योजना viz Agriculture Husbandry Infrastructure Fund and Central Sector Scheme for Formation of FPOs की शुरूआत की गयी है। इन योजनाओं के सफल संचालन हेतु NABARD द्वारा NABSarankshan नामक एक Subsidiary शुरू की गई है | समस्त बैंकों से अनुरोध है कि इस dedicated Portal पर अतिशीघ्र Onboarding की प्रक्रिया प्रारम्भ करें।

- उन्होंने समस्त बैंकों से KCC Saturation अभियान के अंतर्गत KCC Animal Husbandry एवं Fisheries के सभी लंबित आवेदन शीघ्र निस्तारित करने हेतु अनुरोध किया|

- SARFAESI Act के अंतर्गत सभी बैंको के -6400 से अधिक मामले प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जिलाधिकारी कार्यालय में आवश्यक अनुमति हेतु लम्बित हैं। यद्यपि प्रदेश सरकार द्वारा किये गये प्रयासों से जनपद स्तर पर गतिशीलता प्रदर्शित हुई है वरन Pending RCs की वसूली हेतु भी राज्य सरकार का सहयोग अपेक्षित है एवं मुझे आशा है कि इसके हेतु Revenue Department द्वारा जो निर्मित किया जा रहा portal प्रभावी सिद्ध होगा|

अंत में उन्होने SLBC के फोरम के माध्यम से उनसे जुड़े रहे समस्त सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होने कहाँ कि संभवत: SLBC की यह बैठक मेरे कार्यकाल की अंतिम SLBC बैठक है और मेरे लिए गौरव व सम्मान का विषय है की आज की यह बैठक माननीय वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री सुरेश खन्ना जी की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हो रही है। उन्होने एक बार पुनः माननीय वित्त मंत्री महोदय का तहे दिल से आभार व्यक्त किया और साथ ही प्रदेश शासन के समस्त विभागों के प्रमुखों व वरिष्ठ अधिकारीयों को धन्यवाद दिया, और सभी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

डॉ0 बालू केनचप्पा, क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिज़र्व बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम माननीय वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री सुरेश कुमार खन्ना जी का हार्दिक अभिनंदन किया| साथ ही वित्त मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि श्री सुचीन्द्र मिश्रा, आई.ए.एस., अपर सचिव, वित्तीय सेवायें विभाग तथा प्रदेश शासन, समस्त बैंको व अन्य वित्त संस्थानों के अधिकारीगणों का अभिवादन करते हुए प्रदेश में वैंकिंग विस्तार हेतु किये गए कार्य की सराहना की|

डॉ0 केंचप्पा जी ने बताया कि BC Certification से सम्बन्धित सभी बैंको से प्राप्त आंकड़ो से परिलक्षित होता है कि कार्यक्रम के अंतर्गत प्रगति अपेक्षाकृत नहीं है| साथ ही कतिपय केन्द्रों पर बी सी करेसपांडेन्ट द्वारा शून्य प्रगति व निष्क्रिय होने के भी मामलें शामिल हैं। उन्होंने सभी बैंको से बी सी करेसपांडेन्ट के कार्यो की समय-समय पर समीक्षा करने हेतु निर्देशित किया ताकि कार्यक्रम में अपेक्षित प्रगति हासिल की जा सके।

(कार्यवाही: समस्त बैंक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति)

बैंकिंग क्षेत्र में Digitization के महत्त्व पर बल देते हुए उन्होने बताया कि Digitization के साथ ही साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन फ्राड की बढ़ती हुई घटनाओ को देखते हुए साइबर सुरक्षा तकनीक से संबन्धित आवश्यक नीति/दिशा निर्देश और सख्त बनाने की आवश्यकता है ताकि आम जन में डिजिटल लेनदेन प्रणाली के प्रति विश्वास उत्पन्न हो और वे सहजतापूर्वक ऑनलाइन लेनदेन कर सके।

प्रदेश के ऋण जमानुपात के विषय में उन्होंने सभा को अवगत कराया कि विगत 8 तिमाही में incremental ऋण जमानुपात में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है, अर्थात जमा राशि के सापेक्ष अग्रिम में वृद्धि दर अधिक दर्ज हुई है।

उन्होने कहा कि बैंकिंग व्यवसाय की नींव बैंक व ग्राहक के परस्पर विश्वास पर आधारित होती है अतः बैंको द्वारा अपने ग्राहको को गुणवत्तापरक सेवा प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए एवं उनकी शिकायतों का उपयुक्त व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करना चाहिए|

श्री संजय कुमार, आई.ए.एस., सचिव, वित्त, उ०प्र० शासन ने सभा में उपस्थित अन्य अधिकारीगणों का अभिवादन किया तथा अर्थव्यवस्था में बैंकों की महत्ता पर बल दिया| सचिव महोदय ने अपने सम्बोधन के दौरान अवगत कराया कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष जनपदों द्वारा हासिल उपलब्धि में अत्यधिक असमानता है| अत: सम्बन्धित विभागों व समन्वयक नोडल एजेंसी द्वारा असमानता का विश्लेषण कर योजनान्तर्गत समस्त जनपदों में वांछित प्रगति सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक प्रयास किये जाने की आवश्यकता पर बल दिया| साथ ही उन्होंने प्रदेश के ऋण जमानुपात विशेषकर पूर्वी क्षेत्र के जनपदों का, को बढाने हेतु ठोस कार्ययोजना बनाए जाने हेतु समस्त हितधारकों का आह्वाहन किया|

(कार्यवाही: समस्त बैंक व नोडल विभाग)

श्री शिव सिंह यादव, महानिदेशक, संस्थागत वित्त एवं सर्वहित बीमा निदेशालय, लखनऊ ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम माननीय वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश श्री सुरेश कुमार खन्ना जी का बैठक में पधारने हेतु आभार व्यक्त किया तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का अभिवादन किया| उन्होंने अवगत कराया कि प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में कार्यरत बैंको द्वारा ऋण प्रवाह बढाने हेतु किये जा रहे विभिन्न प्रयासों विशेषकर क्रेडिट आउटरीच कैम्पों के माध्यम से ऋण सुविधा प्रदान करने हेतु बैंकों

की प्रशंसा की। साथ ही साथ नाबार्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु वार्षिक ऋण योजना के माध्यम से दिये गए लक्ष्यों की प्राप्ति में भी बैंको द्वारा किए गए कार्य की उन्होने सराहना की।

गत 5 वर्षों में प्रदेश में 40% से कम ऋण जमानुपात वाले जनपदों की संख्या 18 से घटकर 8 हो गयी है जिसके लिए उन्होंने समस्त बैंको को बधाई दी| साथ ही बैंको से शेष 8 जनपदों, जिनमें से अधिकतर जनपद पूर्वान्चल क्षेत्र के हैं, को भी इस श्रेणी से बाहर लाने हेतु सघन प्रयास किये जाने हेतु आह्वाहन किया तथा प्रदेश के सबसे कम ऋण जमानुपात वाले जनपदों में अधिक से अधिक ऋण वितरण कार्यक्रमों का आयोजन करते ऋण प्रवाह को बढाने पर बल दिया|

(कार्यवाही: समस्त बैंक)

श्री अनुराग यादव, आई.ए.एस., सचिव, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश शासन ने अपने संबोधन में कृषि संबंधी विभिन्न योजनाओं के संचालन व उनकी स्थिति से सभा को अवगत कराते हुए आह्वाहन किया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वृहद संभावनाएं व्याप्त हैं जिनका समस्त हितधारकों द्वारा लाभ उठाते हुए अधिक से अधिक कृषकों को इसका लाभ प्रदान किया जाना चाहिए|

साथ ही साथ उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं यथा एग्रीकल्चर इन्फ्रा फंड, PM FME, किसान क्रेडिट कार्ड में अपेक्षित प्रगति न होने पर चिंता व्यक्त की तथा समस्त हितधारकों से आह्वाहन किया कि प्रदेश सरकार द्वारा हाल के समय में किये जा रहे विकास कार्यों के कारण कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं उत्पन्न हुई हैं जिसका हितधारकों द्वारा समन्वयित प्रयास करते हुए लाभा उठाया जाना चाहिए ताकि प्रदेश के कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह का वांछित स्तर प्राप्त किया जा सके| उन्होंने समस्त योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु योजनान्तर्गत लक्ष्य निर्धारण की महत्ता पर बल दिया|

(कार्यवाही: समस्त बैंक व कृषि विभाग, उ० प्र० शासन)

श्री शशि भूषण, आई. ए.एस., दुग्ध आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम माननीय वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश का अभिवादन किया तत्पश्चात उन्होंने सभा में उपस्थित समस्त सहभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तीय सेवायें विभाग, भारत सरकार के माध्यम से डेयरी व मत्स्य पालक कृषकों को किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा प्रदान किये जाने हेतु 31 जुलाई 2022 तक अभियान चलाया जा रहा है| अभियान के अंतर्गत अभी तक अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है| उन्होंने समस्त बैंकों से अनुरोध किया कि उक्त योजनान्तर्गत लम्बित समस्त आवेदन पत्रों का शीघ्रातिशीघ्र निस्तारण करना सुनिश्चिता करें ताकि योजना से अधिकाधिक पात्र कृषकों को लाभान्वयित किया जा सके|

श्री एस. के. दोरा, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ ने अपने संबोधन में समस्त सहभागियों का अभिवादन करते हुए प्रदेश में गत कुछ वर्षों में बैंकों द्वारा ऋण प्रवाह हेतु किये गए कार्य की सराहना की तथा निम्न मुद्दों की और समस्त सभाजनों का ध्यानाकर्षण किया:-

- उन्होने अपने सम्बोधन मे उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का राज्य बनाने हेतु प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षा को पूर्ण करने हेतु सभी बैंकर्स को पूर्ण सहयोग प्रदान करने हेतु आहवाहन किया|

- प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र में कृषि क्षेत्र के अंतर्गत ग्राउंड लेवल क्रेडिट लगभग रु.0.58 लाख प्रति हेक्टेयर ग्राउंड लेवल क्रेडिट है जबकि कि प्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में यह रु.1.07 लाख प्रति हेक्टेयर के स्तर पर है एवं बुंदेलखंड क्षेत्र में यह मात्र रु.0.38 लाख प्रति हेक्टेयर है। अतः प्रदेश के पूर्वी व बुंदेलखंड क्षेत्र में ग्राउंड लेवल क्रेडिट को और बढ़ाने हेतु आवश्यक प्रयास किये जाने की आवश्यकता है|

- उन्होने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत अभी तक प्रदेश में 1.54 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड जारी किये जा चुके हैं तथा शेष किसानों को योजनान्तर्गत आच्छादित किये जाने हेतु आवश्यक प्रयास किये जाने की आवयकता है जिससे प्रदेश में कृषि क्षेत्र के अंतर्गत रु.60000/- करोड़ की संभावित वृद्धि की जा सकती है।

- उन्होने स्वयं सहायता समूह के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में बैंको द्वारा स्वयं सहायता समूहों को ऋण प्रदान करने की अपार संभावना है परंतु उन्होने बैंको को इस क्षेत्र में होने वाले गैर निस्पदाक आस्तियों के बारे में भी अगाह किया तथा स्वयं सहायता समूहों को वित्त पोषण से पहले अत्यंत सावधानी बरतने पर भी बल दिया।

- उन्होने सूचित किया कि नाबार्ड द्वारा प्रदेश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हुए वित्तीय वर्ष 2021-22 में बैंको को रियायती दरों पर रु.7100/- करोंड़ का अल्पकालिक ऋण एवं रु.6000/- करोड़ का ऋण दीर्घकालीन पुनर्वित्त हेतु प्रदान किया हैं साथ ही साथ RIDF & LTIF के तहत रु.2389 करोड़ का ऋण बुनियादी ढ़ाचे के विकास हेतु प्रदान किया है।

- नाबार्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्रदेश मे लगभग 350 एफपीओ के गठन मे सहयोग किया गया है और उन्हे रु.72/- करोड़ का अनुदान भी विभिन्न विकास कार्यो हेतु प्रदान किया गया है।

(कार्यवाही: राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उ०प्र०))

श्री सुरेश खन्ना जी, माननीय वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के विकास में बैंकों की महती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सभा में उपस्थित प्रदेश सरकार एवं बैंको के वरिष्ठ अधिकारीगण, एवं वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में प्रतिभाग कर रहे वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि को समीक्षा बैठक में निम्नवत सम्बोधित किया:

- एमएसएमई सेक्टर प्रदेश में औद्योगिक विकास और रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक सशक्त माध्यम है। अतः इस क्षेत्र से सम्बन्धित सरकार प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बैंकों द्वारा अधिक से अधिक वित्त पोषण की आवश्यकता है।

- सरकार द्वारा पी.एम. स्वनिधि योजनांतर्गत प्रदेश में अच्छा कार्य किया गया है| साथ ही समस्त बैंकों द्वारा शीघ्रातिशीघ्र वितरण हेतु लम्बित आवेदन पत्रों का निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया| **(कार्यवाही: समस्त बैंक)**

- राज्य सरकार किसानों के कल्याण एवं उनके आर्थिक समृद्धि के लिए कृत संकल्पित है। किसानों की आय वर्ष 2022 तक दोगुनी किए जाने के संकल्प की पूर्ति हेतु कृषि, उद्यम, पशुपालन, मत्स्य पालन, डेरी, आदि को प्रोत्साहित करते हुए किसानों की समृद्धि के उद्देश्य से कृषि उत्पादन में वृद्धि की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा बैंकों द्वारा इस क्षेत्र को वांछित सहयोग अपेक्षित है।

- महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने से न केवल महिला सशक्तिकरण होगा बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक परिवर्तन सम्भव होगा। उन्होंने समस्त बैंकों का अधिकाधिक स्वयं सहायता समूहों को लिकेंज प्रदान करने हेतु आह्वान किया।

बैंक ऑफ बड़ौदा BANK OF BARODA राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति उ० प्र० Regional Office (Lucknow Zonal) Lucknow कार्यालय (लखनऊ अंचल) लखनऊ

- सरकार प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत बैंकों द्वारा अधिकाधिक लोगों को लाभान्वयित किया जाना चाहिए तथा लम्बित आवेदन पत्रों का यथाशीघ्र निस्तारण करने हेतु बैंकों को निर्देशित किया।

- प्रदेश के ऋण जमा अनुपात को राष्ट्रीय औसत तक पहुँचाने हेतु अपार संभावनाएं मौजूद हैं जिनके बेहतर प्रबन्धन की आवश्यकता है। प्रदेश के पूर्वी जनपदों के ऋण जमानुपात के स्तर चिंता का विषय है।। उन्होंने कहा कि पूर्वी क्षेत्र के जनपदों के ऋण जमानुपात को प्रदेश स्तर पर लाने हेतु ऋण शिविरों का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि अधिकाधिक लोगों को ऋण प्रदान कर लाभांवित किया जा सके व इन जनपदों के साथ-साथ प्रदेश के ऋण जमानुपात में भी बढोत्तरी सम्भव हो सके।

(कार्यवाही: समस्त बैंक व यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया: समंवयक, ऋण जमानुपात हेतु उप-समिति)

अंत में उन्होंने सभी हितधारकों को समंवित रूप से प्रदेश के ऋण जमा अनुपात को अखिल भारतीय स्तर पर लाने तथा आम जन तक सुलभतापूर्वक ऋण सुविधा पहुँचाने हेतु प्रयास करने का आहवाहन किया ताकि देश की विकास गाथा में हमारा प्रदेश अहम भूमिका का निर्वहन कर सके।

बैठक के अंत में **श्री ब्रजेश कुमार सिंह, महाप्रबन्धक एवं संयोजक राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति,उ0प्र0** द्वारा बैठक मे पधारने के लिए श्री सुरेश कुमार खन्ना, माननीय वित्त मंत्री, उत्तर प्रदेश का विशेष आभार व्यक्त किया तथा उनके अमूल्य मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद दिया। साथ ही अवर सचिव, श्री सूचीन्द्र मिश्र, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार का भी बैठक मे वर्चुअल माध्यम से सहभागिता करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया एवं प्रदेश शासन के समस्त वरिष्ठ अधिकारियों तथा बैंको से पधारे स्टेट प्रमुख व अन्य समस्त सहभागियों का भी आभार व्यक्त किया जिनके सहयोग से राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक संपन्न की जा सकी।

****